संख्या-124/2021/1003/22-2-2021-17(551)/2021

प्रेषक,

करूणेश कुमार सिंह,
संयुक्त सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 *लखनऊ दिनांक 29 जुलाई, 2021*

विषय:- आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी केशव सिंह उर्फ केशो पुत्र अतर सिंह, निवासी जिला-मथुरा की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-6762/प्रोबेशन-3-फार्म-ए/(एम-02.03.2021) दिनांक-15.03.2021 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी केशव सिंह उर्फ केशो पुत्र अतर सिंह, ग्राम-तुला वुर्ज, थाना-बल्देव, जनपद-मथुरा का निवासी है। दिनांक 10.06.2005 को बल्देव ने शस्त्र बनाने की अवैध फैक्टरी गांव के जंगल से पुलिस को बरामद करायी, जिसके कारण अभियुक्त रंजिश रखने लगे। दिनांक 19.07.2005 को रनवीर सिंह घर से अपनी पत्नी गुड्डी देवी व पुत्री कु0 आशा के साथ नौहरे पर जाते समय घात लगाकर बंदी ने 02 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर तमन्चे व राइफल से फायरिंग कर रनवीर सिंह की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-637, 639/2005 में भा0द0वि0 की धारा-302 व 25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं0-2, मथुरा के आदेश दिनांक 22.10.2008 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 10.02.2021 तक 15 वर्ष 05 माह 28 दिन की अपरिहार सजा तथा 18 वर्ष 08 माह 29 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में सम्पन्न समिति की बैठक दिनांक 18.09.2019 में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की गयी है। प्रोबेशन बोर्ड के सदस्यों का अभिमत है कि बंदी ने शस्त्र बनाने की अवैध फैक्टरी गांव के जंगल से पुलिस को बरामद कराने की रंजिश में दिनांक 19.07.2005 को 02 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर तमन्चे व राइफल से गुड्डी देवी व पुत्री कु0 आशा के साथ नौहरे पर जाते समय घात लगाकर रनवीर सिंह की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज पर व्यापक रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बंदी के भविष्य में अपराध करने की सम्भावना होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बंदी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी केशव सिंह उर्फ केशो पुत्र अतर सिंह को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी केशव सिंह उर्फ केशो (बन्दी संख्या-17175) पुत्र अतर सिंह, निवासी जिला-मथुरा के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट,1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
करूणेश कुमार सिंह
संयुक्त सचिव।

संख्या-124/2021/1003(1)/22-2-2021 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मथुरा।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, आदर्श कारागार, लखनऊ।
3- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री को सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-124/2021/1003/22-2-2021-17(551)/2021

दिनांक 29 जुलाई, 2021 का संलग्नक

सरकार के आदेश

आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी केशव सिंह उर्फ केशो पुत्र अतर सिंह, ग्राम-तुला वुर्ज, थाना-बल्देव, जनपद-मथुरा का निवासी है। दिनांक 10.06.2005 को बल्देव ने शस्त्र बनाने की अवैध फैक्टरी गांव के जंगल से पुलिस को बरामद करायी, जिसके कारण अभियुक्त रंजिश रखने लगे। दिनांक 19.07.2005 को रनवीर सिंह घर से अपनी पत्नी गुड्डी देवी व पुत्री कु0 आशा के साथ नौहरे पर जाते समय घात लगाकर बंदी ने 02 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर तमन्चे व राइफल से फायरिंग कर रनवीर सिंह की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-637, 639/2005 में भा0द0वि0 की धारा-302 व 25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा0 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं0-2, मथुरा के आदेश दिनांक 22.10.2008 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 10.02.2021 तक 15 वर्ष 05 माह 28 दिन की अपरिहार सजा तथा 18 वर्ष 08 माह 29 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में सम्पन्न समिति की बैठक दिनांक 18.09.2019 में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की गयी है। प्रोबेशन बोर्ड के सदस्यों का अभिमत है कि बंदी ने शस्त्र बनाने की अवैध फैक्टरी गांव के जंगल से पुलिस को बरामद कराने की रंजिश में दिनांक 19.07.2005 को 02 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर तमन्चे व राइफल से गुड्डी देवी व पुत्री कु0 आशा के साथ नौहरे पर जाते समय घात लगाकर रनवीर सिंह की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज पर व्यापक रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बंदी के भविष्य में अपराध करने की सम्भावना होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बंदी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी केशव सिंह उर्फ केशो पुत्र अतर सिंह को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा बंदी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

करूणेश कुमार सिंह
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in